डेली न्यूज़ (30 Nov, 2020)

drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/news-analysis/30-11-2020/print

गुरु नानक जयंती

चर्चा में क्यों?

30 नवंबर, 2020 को भारत के राष्ट्रपति ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं।

> सिखों के प्रथम गुरु व सिख समुदाय के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्मदिन गुरु नानक जयंती के रूप में मनाया जाता है। गुरु नानक जयंती कार्तिक महीने में पूर्णिमा (Poornima) के दिन होती है, इस कारण इसे **कार्तिक पूर्णिमा** के नाम से भी जाना जाता है।

प्रमुख बिंदु

गुरु नानक देव:

- **जन्म:** वर्ष **1469 में** लाहौर के पास **तलवंडी राय भोई (Talwandi Rai Bhoe)** गाँव में हुआ था जिसे बाद में **ननकाना साहिब** नाम दिया गया।
- वह सिख धर्म के 10 गुरुओं में से पहले और सिख धर्म के संस्थापक थे।

- **योगदान:**
    - गुरु नानक देव जी एक दार्शनिक, समाज सुधारक, चिंतक एवं कवि थे।
    - इन्होंने समानता और भाईचारे पर आधारित समाज तथा महिलाओं के सम्मान की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
    - गुरु नानक देव जी ने विश्व को **'नाम जपो, किरत करो, वंड छको'** का संदेश दिया जिसका अर्थ है- **ईश्वर के नाम का जप करो, ईमानदारी व मेहनत के साथ अपनी ज़िम्मेदारी निभाओ** तथा **जो कुछ भी कमाते हो उसे ज़रूरतमंदों के साथ बाँटो।**
    - उन्होंने यज्ञ, धार्मिक स्नान, मूर्ति पूजा, कठोर तपस्या को नकार दिया।
    - वे एक आदर्श व्यक्ति थे, जो एक संत की तरह रहे और पूरे विश्व को 'कर्म' का संदेश दिया।
    - उन्होंने भक्ति के 'निर्गुण' रूप की शिक्षा दी।
    - इसके अलावा उन्होंने अपने अनुयायियों को एक समुदाय में संगठित किया और सामूहिक पूजा (संगत) के लिये कुछ नियम बनाए।
        - उन्होंने अपने अनुयायियों को 'एक ओंकार' (Ek Onkar) का मूल मंत्र दिया और जाति, पंथ एवं लिंग के आधार पर भेदभाव किये बिना सभी मनुष्यों के साथ समान व्यवहार करने पर ज़ोर दिया।
- **मृत्यु:** वर्ष 1539 में करतारपुर, पंजाब में।

आधुनिक भारत के लिये गुरु नानक देव की प्रासंगिकता:

- **एक समतावादी समाज का निर्माण:** समानता का उनका विचार निम्नलिखित नवीन सामाजिक संस्थानों में देखा जा सकता है, जो उनके द्वारा शुरू किया गया था:
    - **लंगर**: सामूहिक खाना बनाना और भोजन को वितरित करना।
    - **पंगत:** उच्च एवं निम्न जाति के भेद के बिना भोजन करना।
    - **संगत:** सामूहिक निर्णय लेना।
- **सामाजिक सद्भाव:**
    - उनके अनुसार, पूरी दुनिया ईश्वर की रचना है और सभी एक समान हैं, केवल एक सार्वभौमिक रचनाकार है अर्थात् **"एक ओंकार सतनाम" (Ek Onkar Satnam)**।
    - इसके अलावा क्षमा, धैर्य, संयम और दया उनके उपदेशों के मूल केंद्र हैं।
- **एक समाज का निर्माण:**
    - उन्होंने अपने शिष्यों के सम्मुख **'कीरत करो, नाम जपो और वंड छको'** (काम, पूजा और साझा) का आदर्श रखा।
    - उनके धर्म का आधार कर्म के सिद्धांत पर आधारित था और उन्होंने अध्यात्मवाद के विचार को सामाजिक ज़िम्मेदारी एवं सामाजिक परिवर्तन की विचारधारा में परिणत कर दिया।
    - उन्होंने **'दशवंध'** (Dasvandh) की अवधारणा या ज़रूरतमंद व्यक्तियों को अपनी कमाई का दसवाँ हिस्सा दान करने की वकालत की।
- **लैंगिक समानता:**
    - उनके अनुसार, **'महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी ईश्वर की कृपा को साझा करते हैं और अपने कार्यों के लिये समान रूप से ज़िम्मेदार होते हैं।**
    - महिलाओं के लिये सम्मान और लैंगिक समानता शायद उनके जीवन से सीखने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण सबक है।

- **शांति स्थापना:**
    - भारतीय दर्शन के अनुसार, एक गुरु वह है जो रोशनी (अर्थात् ज्ञान) प्रदान करता है, संदेह को दूर करता है और सही रास्ता दिखाता है। इस संदर्भ में गुरु नानक देव के विचार दुनिया भर में शांति, समानता और समृद्धि को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं।
    - वर्ष 2019 में गुरु नानक देव की 550वीं जयंती मनाई गई और **करतारपुर कॉरिडोर** का उद्घाटन किया गया, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

स्रोत: पी.आई.बी

मिशन **COVID** सुरक्षा

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने भारतीय COVID-19 वैक्सीन के विकास में तेज़ी लाने के लिये 900 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज के साथ **मिशन COVID सुरक्षा** (Mission COVID Suraksha) की शुरुआत की है।

प्रमुख बिंदु:

- **मिशन COVID सुरक्षा**
    - मिशन COVID सुरक्षा भारत के लिये स्वदेशी, सस्ती और सुलभ वैक्सीन के विकास को सक्षम बनाने हेतु भारत का लक्षित प्रयास है. जो कि भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की दृष्टि से भी काफी महत्त्वपूर्ण होगा।
    - यह मिशन त्वरित उत्पाद विकास के लिये सभी उपलब्ध और वित्तपोषित संसाधनों को समेकित करेगा, जिससे 5-6 वैक्सीन कैंडिडेट्स के विकास में मदद मिलेगी तथा लाइसेंस प्राप्ति और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित होगी।
- **अनुदान**
    - COVID सुरक्षा मिशन के पहले चरण के 12 माह की अवधि के लिये 900 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
    - यह अनुदान, भारतीय COVID-19 वैक्सीन के अनुसंधान और विकास (R&D) के लिये जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) को प्रदान किया जाएगा।
- **हितधारक**
    - इस मिशन का नेतृत्त्व जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा किया जाएगा और इसका कार्यान्वयन जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC) की एक समर्पित मिशन कार्यान्वयन इकाई द्वारा किया जाएगा।
    - राष्ट्रीय जैव फार्मा मिशन (NBM) और इंड-सीईपीआई (Ind-CEPI) मिशन के तहत मौजूदा गतिविधियाँ मिशन COVID सुरक्षा को पूरक शक्ति प्रदान करेंगी।
        - जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा समर्थित इंड-सीईपीआई (Ind-CEPI) मिशन को मार्च 2019 में अनुमोदित किया गया था।

- **उद्देश्य**
    - वैक्सीन के पूर्व नैदानिक और नैदानिक विकास में तेज़ी लाना।
    - ऐसे COVID-19 वैक्सीन कैंडिडेट्स को लाइसेंस प्राप्त करने में मदद करना, जो वर्तमान में नैदानिक चरण में हैं या नैदानिक चरण में प्रवेश करने हेतु तैयार हैं।
    - नैदानिक परीक्षण स्थलों की स्थापना करना।
    - मौजूदा केंद्रीय प्रयोगशालाओं, जानवरों पर अध्ययन के लिये उपयुक्त सुविधाओं, उत्पादन सुविधाओं और अन्य परीक्षण सुविधाओं को मज़बूती प्रदान करना।
    - सामान्य प्रोटोकॉल, प्रशिक्षण, डेटा प्रबंधन प्रणाली, नियामक प्रस्तुतियाँ, आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के विकास का समर्थन करना।
    - लक्षय उत्पाद प्रोफाइल (TPP) का विकास करना भी एक प्रमुख कार्य होगा, ताकि इस मिशन के माध्यम से पेश किये जाने वाले वैक्सीन भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप हों।
        लक्षय उत्पाद प्रोफाइल (TPP) किसी एक विशिष्ट रोग के संबंध में एक लक्षित उत्पाद की वांछित विशेषताओं को रेखांकित करती है।
- **महत्त्वपूर्ण वैक्सीन कैंडिडेट्स**
    अब तक कुल 10 वैक्सीन कैंडिडेट्स को अकादमिक और उद्योग दोनों स्तरों पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा समर्थन प्रदान किया गया है और अब तक कुल 5 वैक्सीन कैंडिडेट्स मानव परीक्षण के चरण में हैं।
        - **कोविशील्ड: सीरम इंस्टीटचूट ऑफ इंडिया (SII) द्वारा भारत में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राज़ेनेका COVID-19 वैक्सीन (कोविशील्ड) के तीसरे चरण का परीक्षण आयोजित किया जा रहा है।**
        - कोवाक्सिन: भारत बायोटेक कंपनी द्वारा इस वैक्सीन को 'भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद' (ICMR) तथा 'राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान' (NIV) के सहयोग से स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।
        - **ZyCoV-D:** ज़ाइडस कैडिला फर्म द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित वैक्सीन ZyCoV-D ने देश में नैदानिक परीक्षण के दूसरे चरण को पूरा कर लिया है।
        - **स्पुतनिक वी: रूस द्वारा निर्मित वैक्सीन स्पुतनिक वी (Sputnik V) के संयुक्त चरण 2 और चरण 3 के नैदानिक परीक्षण भारत में जल्द ही शुरू किये जाएंगे।**
        - **BNT162b2:** भारत सरकार अमेरिकी कंपनी फाइज़र द्वारा विकसित वैक्सीन के दूसरे और तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों के संचालन हेतु प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नैदानिक परीक्षण

- नैदानिक परीक्षण का अभिप्राय किसी भी दवा की नैदानिक विशेषताओं की खोज करने अथवा मानवीय स्वास्थ्य पर उस विशिष्ट दवा के प्रभावों को स्पष्ट करने का एक व्यवस्थित अध्ययन है।
- यह किसी भी दवा की सुरक्षा और प्रभावकारिता को स्थापित करने का एकमात्र तरीका है, जिसे मानव उपयोग के लिये बाज़ार में प्रस्तुत करने से पूर्व और पशु परीक्षणों के बाद कार्यान्वित किया जाता है।
    पशु परीक्षण के दौरान जानवरों पर किसी दवा की प्रभावकारिता और दुष्प्रभावओं का अध्ययन किया जाता है, साथ ही इस प्रक्रिया के दौरान दवा की अनुमानित खुराक भी निर्धारित की जाती है।

स्रोत: पी.आई.बी.